Regarding alleged harassment of migrant workers from Hindi speaking eastern region in Maharashtra by MNS activists

श्री राजेश वर्मा (खगड़िया) : सभापति महोदया, मैं आपके माध्यम से सदन का ध्यान एक महत्वपूर्ण विषय की ओर आकृष्ट कराना चाहता हूं कि अगर कोई व्यक्ति अपने माता-पिता और परिवार को छोड़ कर किसी राज्य में जाकर नौकरी करता है, तो वह शौक से नहीं बल्कि मजबूरी से नौकरी करता है । कोई भी कारखाना, उद्योग या व्यापारी घराना किसी कर्मचारी को अपने यहां नियुक्ति करते हैं तो उस पर एहसान नहीं करते हैं, बल्कि उसकी योग्यता के आधार पर नियुक्ति करते हैं । योग्यता के आधार पर नौकरी पाने वाले महाराष्ट्र में पूर्वांचली हिंदीभाषियों पर लगातार एमएनएस के गुंडों के द्वारा मार-पीट की जा रही है । मैं इस विषय को आपके माध्यम से इस सदन में रखना चाहता हूं । माननीय गृह मंत्री जी और माननीय मुख्यमंत्री, महाराष्ट्र से अनुरोध करना चाहता हूं कि पूर्वांचली हिंदीभाषियों को आप संरक्षण दें, क्योंकि जिनका राजनीतिक अस्तित्व खोता जा रहा है, एमएनएस, मनसे के लोग अपनी खोई हुई राजनीतिक अस्मिता को पाने के लिए ओछी हरकत करने का काम कर रहे हैं । मैं यही कहना चाहूंगा । ?(व्यवधान)